

संपादकीय

गुरुवार, 26 दिसम्बर 2024

द सैटेनिक वर्सेंज पर फैसला

भारत में लगभग 36 साल प्रतिवर्धित हो ब्रिटिश भारतीय नोवलिस्ट सलमान रुशदी की सबसे ज्यादा सुरिखियों में रही और विवादास्पद नोवल द सैटेनिक वर्सेंज अब भारत के बाजारों में फिर से दिखाई रही है। सरकार ने इस पुस्तक पर 1988 में यह कहकर बैन लगा दिया था, क्योंकि इसमें एक समुत्तराय ने इसे इश निंदा पाया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने सलमान रुशदी की इस पुस्तक पर से यह कहकर पांच नवंबर को प्रतिवर्धित हो दिया था कि उसमें असमर्थ है, जिसमें किताब पर बैन लगाया गया था। दिल्ली के बहरीसंस बुकसेलर ने एक पोस्ट में कहा कि सलमान रुशदी की यह बुक अब बहरीसंस बुकसेलर कहानी और साहसिक उद्देश्यों से दस वर्षों से रोडर्स को आकर्षित किया है। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे इस किताब की रिलीज के बाद से ही वैश्विक स्तर पर इस पर विवाद हुआ था। पांच नवंबर को भारत में पुस्तक के आयात प्रतिवर्धित को चुनौती देने वाले एक मामले को सुनवाई करते हुए भारत सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि आयात प्रतिवर्धित अदेश मिल नहीं रहा है। इस पर अदालत ने कहा कि यह मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है कि ऐसी कोई दूसरी सूचना मौजूद नहीं है जो किताब पर प्रतिवर्धित लगाती है। द सैटेनिक वर्सेंज अपने आरंभिक लाल से ही विवादों में रही है और माना जाता है कि इसमें कुछ ऐसी बातें हैं जो मुस्लिम पैमान मुहम्मद स. पर कही गई हैं, जो इश निंदा के अंतर्गत आती है। 90 के दशक में मुस्लिमों में इस पुस्तक को लेकर बेहद आक्रोश उत्पन्न हो गया था और भारत ही नहीं लगभग पूरी दुनिया में इस पुस्तक के लेखक सलमान रुशदी के खिलाफ आक्रोश बढ़ गया था। इरान के आयातुल्ला खुमैनी ने तो सलमान के खिलाफ फतवा भी जारी कर दिया था, जिसमें मुसलमानों से उनकी हत्या करने का आहारन किया गया था। यह मुसलिमों में सुखदी के विरुद्ध भड़क गया था और भारत में अधिकारीयों ने एक प्रारंभिक अधिकारीयों को आक्रोशी के दूषण के दौरान मंच पर ही उन पर चाकू से हमला किया गया था। जिससे उनकी एक अंगूष्ठी की रोशनी चली गई थी। भारत में बढ़ते आक्रोशों के चलते 1988 में इसके आयात पर प्रतिवर्धित लगा दिया था जो कि अब तक चला आ रहा है, लेकिन इस प्रतिवर्धित की अधिसूचना इस समय सरकार के पास मौजूद नहीं है। इसलिए दिल्ली हाईकोर्ट ने इस पुस्तक के दूसरी से प्रतिवर्धित को हटा दिया है। जाहिर है अब यह किताब भारत के बाजार में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगी। जिसकी शुरुआत भारत की राजधानी दिल्ली से हो भी गई है। अभी कोई बड़ी प्रतिक्रिया हाईकोर्ट के इस फैसले को लेकर नहीं आई है, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि इस विवादास्पद पुस्तक के बाजार में आने से एक समुदाय में नाराजगी को बढ़ायी हो। अच्छा कि ऐसी पुस्तक पर प्रतिवर्धित ही रहता, क्योंकि ऐसी अधिकारीयों की आजादी का कोई मतलब नहीं है जो समाज में वैमनस्य बढ़ाती हो।

कठनीर की चुनौतियों से निपटने को वाजपेयी जैसे नेतृत्व की जरूरत



ज्यू-क्षमीर में दशकों से व्याप हिंसा एवं अनिवार्यता से निपटने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता है, उन्होंने देश की सबसे जटिल चुनौतियों, विशेषकर ज्यू-क्षमीर की चुनौतियों से निपटने के लिए वैचारिक विभाजन का पार किया। यह मुसलिमों के दृष्टिकोण के दर्शनाया, अपनी वैचारिक पृष्ठभूमि के बावजूद, वाजपेयी जी ने दलाना राजनीति से ऊर्जा उत्पन्न, अन्तर्धिक शरुआत के बावजूद भी, पाकिस्तान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया।

—महबूबा मुफ्ती, अध्यक्ष, पीडीपी

ज्यू-क्षमीर में दशकों से व्याप हिंसा एवं अनिवार्यता से निपटने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी जैसे दूरदर्शी नेतृत्व की आवश्यकता है, उन्होंने देश की सबसे जटिल चुनौतियों, विशेषकर ज्यू-क्षमीर की चुनौतियों से निपटने के लिए वैचारिक विभाजन का पार किया। यह मुसलिमों के दृष्टिकोण के दर्शनाया, अपनी वैचारिक पृष्ठभूमि के बावजूद, वाजपेयी जी ने दलाना राजनीति से ऊर्जा उत्पन्न, अन्तर्धिक शरुआत के बावजूद भी, पाकिस्तान की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया।

—महबूबा मुफ्ती, अध्यक्ष, पीडीपी

में हुई महत्वपूर्ण खोजों को शामिल किया जाएगा।

कृत्रिग्रु बुद्धिनात्रा एवं नरीन लर्निंग

वर्तमान समय में कृत्रिग्रु बुद्धिनात्रा (AI) और मशीन लर्निंग ने बहुत तोड़ी से विकास किया है। AI ने न केवल कृत्रिग्रु बुद्धिनात्रों को अन्वेषण किया है, बल्कि पृथग्गी पर हमरे जीवन में उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को बेतत नियन्त्रण करने में मदद कर रही है। AI की मदद से, अब हम बड़े पैमाने पर मॉडिल डेटा का विश्लेषण कर सकते हैं, जो न केवल अधिक सटीक उपकरण की दिशा में विकास करता है, बल्कि नई दर्वाजों और उत्तरावर्ती के द्वारा उपयोग के लिए, AI आधारित एकार्डिनेटिव उपकरण अब डॉक्टरों को ब

